सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 137 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 22 जून, 2022
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप सौ लोगों को नहीं खिला सकते तो एक को ही खिलाइए।
-मदर टेरेसा

अग्निपथ पर युवाओं के समर्थन में... 8 | यूपी में खोई जमीन तलाशने में... 3 | नौजवान और किसान विरोधी है... 7

शिंदे की बगावत से उद्धव सरकार हिली, इस्तीफा दे सकते हैं ठाकरे!

» संजय राउत के बयान के बाद विधान सभा भंग होने की भी चर्चा तेज

» कैबिनेट बैठक में आठ मंत्री नहीं हुए शामिल, शिवसेना ने जारी किया व्हिप

» बागी नेता एकनाथ शिंदे ने 46 विधायकों के साथ होने का किया दावा

» कमलनाथ बोले, कांग्रेस जारी रखेगी समर्थन, पवार ने की उद्धव से बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार पर संकट गहरा गया है। एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद शिवसेना नेता संजय राउत द्वारा विधान सभा भंग होने के संकेत देने के बाद महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचलें बढ़ गई हैं। भाजपा के सभी विधायक देवेंद्र फडणवीस के घर जुटने लगे हैं वहीं कांग्रेस नेता कमलनाथ भी बालासाहेब थोराट के घर पहुंचे। सीएम उद्धव ठाकरे ने कैबिनेट की बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि उद्धव ठाकरे इस्तीफा दे सकते हैं। वहीं बागी शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि उनके साथ 46 विधायक हैं और वे किसी भी भाजपा नेता के संपर्क में नहीं हैं। महाराष्ट्र में सियासी उठापटक जारी है। शिवसेना नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र विधान सभा भंग करने के संकेत दिए हैं। उन्होंने ट्वीट किया, महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक संकट विधान सभा भंग करने की ओर बढ़ रहा है। सियासी हलचल के बीच सीएम उद्धव के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे ने अपने ट्विटर बायो से मंत्री पद हटा लिया। वहीं महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक एक बजे बुलायी गई थी जिसमें आठ मंत्री गैरहाजिर रहे। इसके बाद शिवसेना ने विधायकों को व्हिप जारी किया है और शाम पांच बजे बैठक बुलाई है। खबरों के मुताबिक बैठक के बाद उद्धव ठाकरे इस्तीफा दे सकते हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस पर्यवेक्षक कमलनाथ ने कहा कि कांग्रेस और राकांपा महाविकास अघाड़ी सरकार को पूरा समर्थन देंगे। शरद पवार ने भी उद्धव से बात की है।

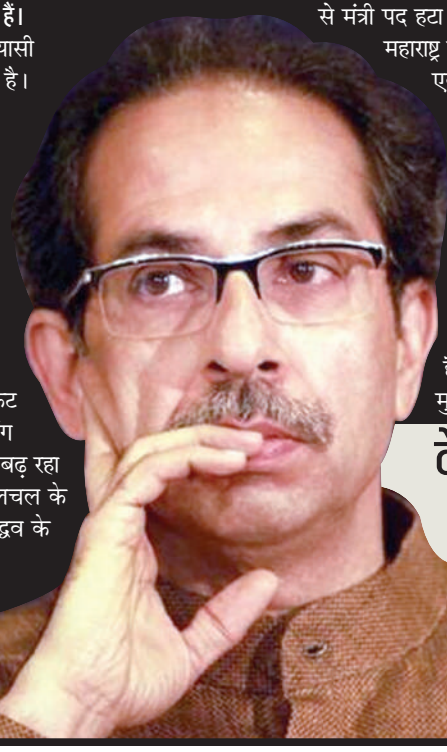

सत्ता जाती है तो जाए: संजय राउत

शिवसेना गठबंधन वाली सरकार की विदाई के संकेत खुद पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने दिए। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे हमारे बहुत अच्छे मित्र हैं। सालों साल से हम एक दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। उनके लिए आसान नहीं है पार्टी छोड़ना और हमारे लिए भी आसान नहीं है उनको छोड़ना। मैंने आज सुबह उनसे एक घंटे तक बातचीत की और पार्टी प्रमुख को इस बारे में सूचित कर दिया गया है। सत्ता जाती है तो जाए, हम एकनाथ शिंदे को नहीं छोड़ सकते।

कांग्रेस में भी बगावत के आसार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार पर आए राजनीतिक संकट के बीच कांग्रेस में भी बगावत के आसार दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि शिवसेना के बाद कुछ कांग्रेस के विधायक भी बागी हो सकते हैं। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को मुंबई भेजा है। कमलनाथ ने कहा कि आज देश में सौदे की राजनीति हो रही है। मध्यप्रदेश का उदाहरण आप जानते है। ये राजनीति हमारे संविधान के विपरीत है और भविष्य के लिए खतरे की बात है। शिवसेना को खुद तय करना है कि वे अपने विधायकों से कैसे बात करेंगे। कांग्रेस के विधायक बिकाऊ नहीं है।

विधायकों के साथ गुवाहाटी पहुंचे शिंदे

शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे पार्टी के विधायकों और निर्दलीय विधायकों के साथ असम के गुवाहाटी पहुंच गए हैं। सभी बागी विधायकों को रैडिसन ब्लू होटल में ठहराया गया है। इस दौरान होटल के बाहर भारी सुरक्षा बल की तैनाती की गई है।

भाजपा पर साधा निशाना

महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य पूरे भारत पर कब्जा करना है। यदि कोई विरोधी दल उनके खिलाफ बोलता है तो वे इसे बर्दाश्त नहीं करते हैं। वे एक विरोध मुक्त भारत के निर्माण की राह पर चल रहे हैं। पहले उन्होंने कहा कांग्रेस मुक्त भारत अब उन्होंने इसे विपक्ष मुक्त में बदल दिया है।

क्या है मामला

सोमवार को एमएलसी चुनाव के बाद से महाराष्ट्र में सियासी संग्राम तेज हुआ। बगावत का झंडा उठाने वाले कैबिनेट मंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे कई विधायकों को लेकर मुंबई से गुजरात के सूरत गए और फिर वहां से असम के गुवाहाटी चले गए। अभी शिंदे समेत सभी बागी विधायक गुवाहाटी के होटल में ठहरे हुए हैं। इसके बाद से उद्धव सरकार पर खतरा मंडराने लगा है।

देखेंगे आगे क्या होता है: उद्धव

सियासी उठापटक के बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का पहला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हम देखेंगे आगे क्या होता है?

राज्यपाल कोश्यारी व सीएम ठाकरे कोरोना संक्रमित

महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उद्धव ने संक्रमित होने के कारण अपने विधायकों की वर्चुअल बैठक ली।

एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को जेड प्लस सुरक्षा

» किया दर्शन पूजन, मंदिर परिसर में लगाई झाड़ू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए की तरफ से राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित होने बाद आज द्रौपदी मुर्मू को जेड प्लस सुरक्षा उपलब्ध करा दी गई है। आदिवासी नेता और झारखंड की पूर्व राज्यपाल मुर्मू की सुरक्षा में केंद्र सरकार के निर्देश पर सीआरपीएफ के कमांडो अब 24 घंटे तैनात रहेंगे। वहीं मुर्मू ओडिशा के एक शिव मंदिर में गईं और पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में झाड़ू भी लगाई।

भाजपा की अगुआई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने मंगलवार को द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया था। इससे कुछ घंटे पहले ही विपक्षी दलों की तरफ से यशवंत सिन्हा को प्रत्याशी बनाए जाने का ऐलान किया गया था। 64 वर्षीय एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू आज सुबह ओडिशा के मयूरभंज जिले में रायरंगपुर जगन्नाथ मंदिर पहुंचीं और पूजा-अर्चना की। उन्होंने झाड़ू लेकर मंदिर परिसर में साफ सफाई भी की। द्रौपदी मुर्मू का जन्म मयूरभंज के रायरंगपुर गांव में ही हुआ था।

लोक सभा उपचुनाव: सपा की प्रतिष्ठा दांव पर, मतदान कल

» आजमगढ़ व रामपुर सीट के लिए होगा चुनाव

» भाजपा और बसपा ने भी झोंकी ताकत

» अखिलेश और आजम के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी दोनों सीटें, पोलिंग पार्टियां रवाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा की रिक्त सीटों पर हो रहे उपचुनाव में सपा की प्रतिष्ठा दांव पर है। वहीं भाजपा और बसपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों सीटों पर कल मतदान होगा। मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हो गयी हैं। रामपुर की सीट सपा नेता आजम खां और आजमगढ़ सीट सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 2019 में हुए लोक सभा चुनाव में जीती थी। दोनों नेताओं के लोक सभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद ये सीटें रिक्त हुई हैं। ऐसे में दोनों सीटों पर कब्जा बरकरार रखना सपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है। भाजपा ने आजमगढ़ से दिनेश लाल यादव निरहुआ, सपा ने धर्मेंद्र यादव और बसपा ने पूर्व विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को मैदान में उतारा है। वहीं रामपुर से सपा उम्मीदवार आसिम रजा तो भाजपा से घनश्याम लोधी मैदान में हैं। बसपा ने यहां अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है। मतगणना 26 जून को होगी।

10 लाख ग्रामीणों को सीएम योगी कल देंगे बड़ा उपहार

» ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र मिलने से मिलेगी काफी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाली बड़ी आबादी को सीएम योगी आदित्यनाथ कल बड़ा उपहार देने जा रहे हैं। स्वामित्व योजना के तहत 1081062 ग्रामीणों को वो डिजिटल माध्यम से उनके आवास का मालिकाना हक दिलाने वाला दस्तावेज (ग्रामीण आवासीय अभिलेख यानी घरौनी प्रमाण पत्र) सौंपेंगे। योजना का लाभ पाने वाले ग्रामीणों को घरौनी प्रमाण पत्र मिलने से काफी राहत मिलेगी। उनके लिए बैंकों से लोन प्राप्त करना आसान हो जाएगा। अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राप्त करने में भी घरौनी के दस्तावेज उनके काम आ सकेंगे। राज्य सरकार स्वामित्व योजना के तहत सभी 75 जनपदों में घरौनियां तैयार किए जाने का कार्य बड़ी तेजी से कर रही है।

अभिलेखों को तैयार करने के लिए 1,10313 ग्रामों को चिन्हित किया गया है। 24 अप्रैल 2020 को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुरू की गई स्वामित्व योजना का लाभ सीएम योगी आदित्यनाथ यूपी की ग्रामीण जनता को भी दिला रहे हैं। स्वामित्व योजना के तहत 20 जून तक प्रदेश के कुल 68641 ग्रामों में ड्रोन सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है। 23287 ग्रामों में कुल 3428305 घरौनियां तैयार हो चुकी हैं। योजना के तहत ग्रामीण आवासीय अभिलेखों का निर्माण हो

जाने पर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सम्पत्ति संबंधी विवाद काफी कम हो जाएंगे। स्वामित्व का अभिलेख बन जाने पर न्यायालय में चल रहे विवादों का निस्तारण जल्द होगा। आबादी क्षेत्र का प्रारंभिक डाटा मिलने पर सरकार विकास की योजनाओं को आसानी से संचालित करा सकेगी। इन अभिलेखों के तैयार हो जाने पर ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय तरलता एवं वित्तीय सुदृढ़ता के साथ ही विकास की प्रक्रिया को भी गति मिलेगी। बता दें कि राज्य सरकार स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में 23 दिसम्बर 2021 तक 5 चरणों में कुल 15940 ग्रामों में 2347243 घरौनियों का वितरण कर चुकी है। सरकार ने पहले चरण में 11 अक्टूबर 2020 को 346 ग्रामों में 41731, दूसरे चरण में 25 दिसम्बर 2020 को 229 ग्रामों में 10041, तीसरे चरण में 12 फरवरी 2021 को 1001 ग्रामों में 157224, चतुर्थ चरण में 24 अप्रैल 2021 को 427 ग्रामों में 53424 और पांचवें चरण में 23 दिसम्बर 2021 को 13937 ग्रामों में 2084823 घरौनियों का वितरण किया है।

सरकार ने जारी की कृत्रिम बालू बनाने की नीति

लखनऊ। योगी सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में कृत्रिम बालू बनाने की नीति जारी कर दी है, जिससे प्रदेश में हुई बालू की कमी को अब कृत्रिम बालू से दूर होगी। खनन के दौरान निकलने वाले अनुपयोगी पत्थरों को पीसकर कृत्रिम बालू बनाई जाएगी। सरकार के इस फैसले से जहां नदियों से निकलने वाली बालू का विकल्प कृत्रिम बालू बनेगी, वहीं नदियों पर निर्भरता कम होने से पर्यावरण संरक्षण भी हो सकेगा। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव रोशन जैकब की ओर से जारी नीति के अनुसार कृत्रिम बालू के उत्पादन में इमारती पत्थर की खदानों के पट्टाधारकों को प्राथमिकता दी जाएगी। कृत्रिम बालू के उत्पादन के लिए पूर्व में स्थापित या फिर नया संयंत्र स्थापित करने वाली फर्म को कुल देय राशि पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। कृत्रिम बालू उत्पादन नीति के तहत क्षेत्र में जमा रिजेक्ट पत्थर की मात्रा में मिट्टी की मात्रा घटाकर लाट की मात्रा का निर्धारण डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति करेगी। स्टोन डस्ट की तरह रिजेक्ट पत्थर की रायल्टी की दर 100 रुपये प्रति घनमीटर होगी। अनुपयोगी पत्थरों को हटाने और कृत्रिम बालू तैयार करने का लाइसेंस एक वर्ष के लिए दिया जाएगा। डीएम विशेष परिस्थिति में उस अवधि को एक वर्ष बढ़ा सकेंगे।

अग्निपथ का विरोध विपक्ष की सोची समझी साजिश : बृजभूषण

» नैमिषारण्य पहुंचे सांसद ने आजम खां पर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने नैमिषारण्य में अग्निपथ पर युवाओं को समझाने की कोशिश की। वहीं आजम खां को लेकर कहा, एक मुकदमा, दो मुकदमा, तीन मुकदमा... 150 मुकदमा दर्ज करोगे तो आदमी हीरो नहीं बन जाएगा। मीडिया के अग्निपथ को लेकर सवाल पर सांसद ने कहा कि इस पवित्र धरती से देश के युवाओं से कहना चाहता हूं कि सरकार की भावना को समझें। सरकार ने बहुत अच्छी पहल की है। देश की सेवा का अवसर मिल रहा है, लाभ उठाएं। रूस, इजराइल, किर्गिस्तान और कजाकिस्तान जैसे देशों में युवाओं के लिए सेना में चार वर्षीय प्रशिक्षण अनिवार्य है। भारत सरकार सैन्य प्रशिक्षण व सेवा के बदले पारितोषिक भी दे रही है।

सरकार पारितोषिक की घोषणा न करती तो विवाद खड़ा न होता। सरकार कहती जो फिट हैं, सेना का प्रशिक्षण लें तो कोई विरोध न होता। शाहीन बाग, किसान आंदोलन से क्या मिला। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों में भी विरोध की राजनीति की जा रही है। यह सोची समझी साजिश है कि सरकार का विरोध करना है। कांग्रेस के ट्वीट कर विरोध जताने पर कहा कि इन पर दया आती है। कांग्रेस ने एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए। देश की रक्षा नीति को लेकर तो गंभीरता दिखानी चाहिए। राहुल, प्रियंका की जगह मैं होता तो कहता कि भाजपा सरकार से बड़ी स्ट्राइक मेरी दादी ने की थी। कोरोना वैक्सीन, सर्जिकल स्ट्राइक जैसे मुद्दों पर सवाल उठाने के कारण ही कांग्रेस गर्त में चली गई। पत्थरबाजी एवं आगजनी साजिश का नतीजा है।

आजमगढ़ उपचुनाव में बसपा के स्टार प्रचारकों ने किया किनारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ उपचुनाव के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती ने सबसे पहले अपने 40 स्टार प्रचारक की सूची जारी की थी। इन स्टार प्रचारकों में बलिया विधायक उमाशंकर सिंह और मऊ के सालिम अंसारी को छोड़ दिया जाए, तो 38 बसपा के स्टार प्रचारकों ने उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी गुडडू जमाली के लिए प्रचार करने से किनारा किया।

इन किनारा करने वालों में बसपा सुप्रीमो मायावती भी शामिल हैं। हालांकि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी सपा प्रत्याशी के लिए प्रचार करने न तो आए और न ही कोई जनसभा की। आजमगढ़ उपचुनाव के लिए बसपा ने जिन लोगों को स्टार प्रचारक की सूची में शामिल किया है। उनमें मायावती, भीम राजभर, मुनकाद अली, डॉ विजय प्रताप, राजकुमार गौतम, उमाशंकर सिंह, मनोज कुमार, हरीशचन्द्र गौतम, ओंकार शास्त्री, डॉ. बलिराम, इन्दलराम, अमरनाथ, विनोद चौहान, विजय कुमार, संतोष राम, संगीता आजाद, आजाद अरिमर्दन, शालिम अंसारी, डॉ ओपी त्रिपाठी, अरविन्द कुमार सहित कईयों को बसपा ने अपना स्टार प्रचारक बनाया था। इनमें उमाशंकर सिंह और शालिम अंसारी के अतिरिक्त कोई भी प्रचारक बसपा प्रत्याशी का प्रचार करने नहीं आया।

नियमों के तहत उपद्रवियों पर बुलडोजर एक्शन : यूपी सरकार

» सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा, कहा- कार्रवाई सही दिशा में की गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जुमे की नमाज के बाद कानपुर और प्रयागराज समेत 9 जिलों में भड़की हिंसा पर बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ जमीयत-उलेमा-ए- हिन्द द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में लगाए गए आरोपों को यूपी सरकार ने गलत और बेबुनियाद ठहराया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा गया है कि जो भी कार्रवाई की गई है वह नियमों के मुताबिक है।

हलफनामा में जमीयत की याचिका को खारिज करने की मांग भी की गई है। हलफनामे में सरकार ने कहा कि इस

मामले में कोई भी प्रभावित पक्ष कोर्ट में नहीं आया है। राज्य सरकार की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले दंगाइयों पर कानून के मुताबिक सीआरपीसी और आईपीसी के तहत कार्रवाई की जा रही है, लिहाजा जमीयत उलेमा-ए-हिन्द की याचिका खारिज की जाए। उत्तर प्रदेश के विशेष सचिव गृह राकेश कुमार मालपानी ने सुप्रीम कोर्ट में सबूत संलग्नक सहित 63 पेज का हलफनामा दाखिल किया है। इसमें 11 पेज हलफनामे के हैं। हलफनामे के साथ जावेद अहमद के घर पर लगा राजनीतिक दल का साइन बोर्ड, नोटिस सभी चीजें कोर्ट को भेजी गई हैं। हलफनामे में कहा गया है कि बुलडोजर चलाकर अवैध रूप से निर्मित संपत्ति ढहाई गई है। ये प्रक्रिया तो काफी पहले से चल रही है। लिहाजा ये आरोप गलत है कि सरकार और प्रशासन हिंसा के आरोपियों से बदले की कार्रवाई कर रही है। गौरतलब है कि 10 जून को प्रयागराज में हुई हिंसा के आरोप में गिरफ्तार मास्टरमाइंड जावेद पंप का घर 12 जुलाई को पुलिस प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया था।

मुरादाबाद में सीएम के कार्यक्रम में बीजेपी नेताओं में चले लात-घूसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी के कार्यक्रम में मुरादाबाद में भाजपा नेता रामवीर सिंह और पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य गिरीश वर्मा में जमकर लात घूसे चले। दोनों नेताओं में किसी बात पर कहासुनी हो गई थी। वहां मौजूद कुछ नेताओं ने किसी तरह दोनों को अलग करके मामला शांत कराया। घटना भदासना हवाई पट्टी पर मुख्यमंत्री के पहुंचने से कुछ देर पहले की है। मुख्यमंत्री को रामपुर में जनसभा को संबोधित करने के लिए जाना था। सीएम को स्टेट प्लेन से पहले भदासना हवाई पट्टी पर उतरना था।

इसके बाद यहां से रामपुर को रवाना होना था। मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए हवाई पट्टी पर स्थानीय भाजपा नेता पहुंच चुके थे। तभी किसी बात पर यहां मौजूद रामवीर सिंह और गिरीश वर्मा में कहासुनी हुई। इसके बाद रामवीर सिंह ने गिरीश वर्मा पर हमला बोल दिया। भाजपा सूत्रों का कहना है कि अंदर तो पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों और भाजपा नेताओं ने दोनों को अलग कर दिया। लेकिन इसके बाद रामवीर सिंह के समर्थक हवाई पट्टी के गेट पर जमा हो गए। यहां गिरीश वर्मा पर हमले की आशंका में शहर विधायक रितेश गुप्ता ने गिरीश वर्मा को अपनी गाड़ी में बैठा लिया और साथ ले गए। दूसरी तरफ रामवीर सिंह को पूर्व सांसद सर्वेश सिंह अपनी गाड़ी में ले गए। जब यह घटना हुई उस समय हवाई पट्टी पर महापौर विनोद अग्रवाल मौजूद थे।

यूपी में खोई जमीन तलाशने में जुटी कांग्रेस

दलित को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की चर्चा, जातीय समीकरण पर फोकस

2024 के लिए सोशल इंजीनियरिंग का दांव पुनिया और खाबरी रेस में आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपने पुराने जनाधार को वापस पाने की तैयारी कर रही है। एक बार फिर से ब्राह्मण, मुस्लिम और दलित गठजोड़ की कवायद शुरू कर दी गई है। चर्चा है पार्टी के थिंक टैंक ने तय किया है कि नया प्रदेश अध्यक्ष किसी दलित को बनाया जाएगा ताकि बसपा से छिटकते दलित वोट बैंक को साधा जा सके। इसके लिए बसपा छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामने वाले एक नाम के अलावा बसपा सरकार में मायावती के खास रहे एक पूर्व नेता का नाम चर्चाओं में है। इन दोनों में से किसी एक पर शीर्ष नेतृत्व मुहर लगा सकता है।

हालांकि प्रदेश अध्यक्ष के इन दोनों नाम को लेकर यूपी कांग्रेस दो फाड़ में नजर आने लगी है। बसपा छोड़ कर कांग्रेस में आए पूर्व सांसद रहे बृजलाल खाबरी का नाम सबसे ऊपर है, जिसको लगभग तय माना जा रहा है। खाबरी की पैरवी प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह कर रहे हैं जबकि दूसरी तरफ प्रदेश में कद्दावर कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी, पीएल पुनिया को प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर देखना चाहते हैं। पुनिया राहुल गांधी के खास कहे जाते हैं। ऐसे में चुनाव बीत जाने के चार माह बाद भी यूपी के प्रदेश अध्यक्ष कि कुर्सी खाली है।

जातीय फार्मूला तैयार

यूपी में 1989 तक सरकार में रही कांग्रेस 33 वर्षों बाद अपने आधार वोट को पाने के लिए छटपटा रही है। इसके लिए उसने यूपी से दो ब्राह्मण चेहरों प्रमोद तिवारी और राजीव शुक्ल को राज्य सभा भेजने का काम किया ताकि 2024 में ब्राह्मण वोटों को साधा जा सके। इसी तरह मुस्लिमों के बीच संदेश देने के लिए इमरान प्रतापगढ़ी भी राज्य सभा भेजने का काम किया है। इसके बाद कांग्रेस अपने परंपरागत दलित वोट पाने की फिराक में है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व ने तय किया है कि किसी दलित को ही पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाएगी।

बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी की फिराक में कांग्रेस

2022 विधान सभा चुनाव में बसपा अपना जनाधार लगभग खो चुकी है। पार्टी बड़ी मुश्किल से एक सीट जीत पाई है। दलित अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस बसपा के वोटबैंक में सेंधमारी करना चाह रही है। इसके लिए ब्रजलाल खाबरी को लगाया भी गया है। साथ में बसपा छोड़कर कांग्रेस में आए नसीमुद्दीन भी पिछले दिनों बसपा सरकार के कैबिनेट मंत्री नकुल दुबे को कांग्रेस ज्वाइन करा चुके हैं। आने वाले समय में बसपा का बड़ा धड़ा कांग्रेस का दामन थाम सकता है।

जातीय समीकरण से कांग्रेस को मिल सकती है संजीवनी

प्रदेश में एससी/एसटी की आबादी लगभग 27 फीसदी मानी जाती है जबकि यूपी में मुस्लिम आबादी का आंकड़ा 18 प्रतिशत होने का अनुमान है। प्रदेश में ब्राह्मण आबादी को 12 प्रतिशत तक आंका जाता है। इस तरह से इन सभी का जोड़ 57 प्रतिशत तक पहुंचा है। कांग्रेस का मानना है कि यदि इस 57 प्रतिशत पर फोकस किया जाए तो एक बार फिर से यूपी में पार्टी राजनीति करने कि हैसियत बना सकती है। सत्ता की लड़ाई बिना इस लक्ष्य को हासिल किए मुश्किल है ।

खोजे जाएंगे रामलीला के कलाकार, गांव-गांव चलेगा अभियान

अयोध्या शोध संस्थान ने रामायण कल्चरल मैपिंग की तैयार की योजना

कलाकारों के नामों की बनेगी लिस्ट बुकलेट में होगी सभी की जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर रामनगरी अयोध्या में भव्य रामनगरी का निर्माण हो रहा है वहीं दूसरी ओर अयोध्या शोध संस्थान प्रदेश के गांव-गांव अभियान चलाकर रामलीला में भूमिका निभाने वाले कलाकारों की खोज करेगा। रामायण कल्चरल मैपिंग के उददेश्य से यह खोज की जाएगी।

रामलीला का मंचन होने के बाद इससे जुड़े कलाकार अपने कार्य में व्यस्त हो जाते हैं, इनकी कोई पूछ नहीं होती है। अयोध्या शोध संस्थान ने रामलीला मंचन से जुड़े कलाकारों की खोज शुरू कर दी है। वह क्या कर रहे हैं, किस स्थिति में है, कौन सा दायित्व उन्होंने निभाया, इन तमाम बिंदुओं की खोज शुरू हो गई है। इन कलाकारों की खोज करके रामायण कल्चरल मैपिंग के तहत कराई जा रही है। रामायण कल्चरल मैपिंग का मकसद है कि रामलीला में राम से लेकर एक वानर तक की भूमिका निभाने वाले सभी कलाकारों को सूचीबद्ध किया जाएगा। इनका नाम, विधा, पात्र व पता सहित अन्य जानकारी एकत्र करके उसकी सूची तैयार की जाएगी। बाद में इसे लखनऊ भेजा जाएगा। जहां से इनकी एक बुकलेट प्रकाशित होगी। इससे कहीं भी बैठे लोगों को कलाकारों के बारे में पता चल सकेगा। अयोध्या शोध संस्थान से नियुक्त किए गए शिवपूजन शुक्ल का कहना है कि यह एक बेहतर पहल है। कई ऐसे कलाकार है, जिनके बारे में लोगों को पता ही नहीं है। इसके माध्यम से हर किसी को कलाकारों के बारे में भी जानकारी मिलेगी।

रामनगरी में बनेंगे कई राज्यों के अतिथि गृह

विदेश में बैठे अप्रवासी को भी राम की नगरी में भूखंड चाहिए और भारत के कई राज्य भी अयोध्या में अपने अतिथि गृह बनाना चाहते हैं। अयोध्या की टाउनशिप से जुड़ी फाइल शासन में पहुंच गई है। अयोध्या टाउनशिप के लॉन्च होते ही कुछ राज्यों ने पांच-पांच एकड़ जमीनें आवंटित करने का आग्रह प्रदेश सरकार से किया था। अब यह मांग फिर बढ़ने लगी है। आवास विकास परिषद के अधिकारी कहते हैं कि जैसे-जैसे राम मंदिर भव्य रूप लेता जा रहा है वैसे-वैसे जमीनों की मांग बढ़ती जा रही है। यहां जमीनों के दाम करीब तीस हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर रहने के उम्मीद है। आवास विकास परिषद के अधिकारी कहते हैं कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, गुजरात सहित कई राज्यों से अतिथि गृह अपने राज्यों का बनाने के लिए आवेदन आए हैं। यह राज्य चाहते हैं कि उनके राज्य के लोग आए तो उनके लिए अतिथि गृह उनके राज्यों के हों।

लोक कला व संस्कृति को मिलेगी मजबूती

अयोध्या शोध संस्थान के निदेशक डा. लवकुश द्विवेदी का कहना है कि प्रदेश के 75 जिलों के गांव-गांव में रामायण कल्चरल मैपिंग का कार्य कराया जाएगा। पहले चरण में गोंडा से इसका शुभारंभ किया गया है। इससे लोक कला और संस्कृति को मजबूती मिलेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कागजों पर चमक रहे प्रदेश के शहर

“ तमाम कवायदों के बावजूद प्रदेश के अधिकांश शहरों में स्वच्छता अभियान हकीकत में उतरता नहीं दिख रहा है। सड़कों से लेकर गलियों तक गंदगी का साम्राज्य है। कूड़ा उठान और निस्तारण की आज तक समुचित व्यवस्था नहीं की जा सकी है। नाले-नालियां चोक हैं और मानसून में एक बार फिर उफनाने को तैयार हैं लेकिन कागजों में सब कुछ दुरुस्त है।

तमाम कवायदों के बावजूद प्रदेश के अधिकांश शहरों में स्वच्छता अभियान हकीकत में उतरता नहीं दिख रहा है। सड़कों से लेकर गलियों तक गंदगी का साम्राज्य है। कूड़ा उठान और निस्तारण की आज तक समुचित व्यवस्था नहीं की जा सकी है। नाले-नालियां चोक हैं और मानसून में एक बार फिर उफनाने को तैयार हैं लेकिन कागजों में सब कुछ दुरुस्त है। कहीं कोई समस्या नहीं है। सवाल यह है कि हर साल करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद शहरों में हर ओर गंदगी का आलम क्यों रहता है? हल्की बारिश में ही नालों का पानी सड़कों और गलियों में क्यों बहने लगता है? जलभराव की समस्या का आज तक स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जा सका है? कूड़ा उठान और निस्तारण की व्यवस्था पूरी तरह क्यों चरमरा चुकी है? नगरपालिकाएं और नगर निगम का अमला क्या कर रहा है? लचर तंत्र को सुधारने के लिए सरकार गंभीर क्यों नहीं दिखती है? सरकार के आदेशों को अधिकारी दरकिनार क्यों कर देते हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? आखिर शहरों में गंदगी के लिए कौन जवाबदेह है? क्या ऐसे ही स्मार्ट सिटी का सपना साकार होगा?

शहरों को संवारने की जिम्मेदारी नगर निगम और नगरपालिकाओं को सौंपी गयी है। जल निकासी से लेकर साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी इन्हीं पर है लेकिन शहरों की हालत दिनोंदिन बदतर होती जा रही है। हाल यह है कि गंदगी प्रदेश के अधिकांश शहरों की पहचान बनती जा रही है। राजधानी लखनऊ की हालत भी इन शहरों से जुदा नहीं है। यहां पॉश कॉलोनियों को छोड़ दें तो अधिकांश शहर की हालत बेहद खराब है। नाले चोक पड़े हैं। कूड़ा उठान और निस्तारण की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। सड़क से लेकर गलियों तक में गंदगी का साम्राज्य है। लोगों ने खाली प्लाटों को डंपिंग ग्राउंड बना दिया है। मानसून सिर पर आ चुका है लेकिन अधिकांश नाले चोक पड़े हैं। हालांकि अधिकारियों ने कागजों पर सबकुछ दुरुस्त दिखा दिया है। यही नहीं एक आध नालों की सफाई की भी गई है तो सिल्ट वहीं छोड़ दिया गया है। लिहाजा बारिश के साथ ही यह सिल्ट फिर से नाले में चली जाएगी। पुराने शहर में आज तक जलभराब की समस्या का निदान नहीं किया गया है। सड़कों पर रखे कूड़ेदान गंदगी से अटे पड़े हैं और इनका उठान नहीं किया जा रहा है। जब प्रदेश की राजधानी का यह हाल है तो अन्य शहरों का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। सरकार यदि शहरों को स्वच्छ रखना चाहती है तो उसे न केवल संबंधित विभागों को जवाबदेह बनाना होगा बल्कि लापरवाह कर्मियों को चिन्हित कर दंडित करना होगा अन्यथा स्मार्ट शहर सपना ही रहेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अवसरवादी राजनीति से आहत लोकतंत्र

गुरबचन जगत

राज्य सभा चुनावों से पहले कुछ सूबों में राजनीतिक माहौल देखकर निराशा हुई। ऐसा नहीं है कि इस बार कुछ नया हुआ लेकिन यह तथ्य है कि नैतिकता किस कदर पराभव के गर्त में गिरती जा रही है और इस गिरावट के थमने का कोई संकेत नजर नहीं आ रहा। चूंकि इस कुएं का तल नहीं है इसलिए लगता है हम सदा के लिए नीचे ही नीचे धंसते जा रहे हैं। चुनाव का मामला सरल गणित होता है यानी यदि आपके पास पर्याप्त संख्या में विधायक हैं तो सदन की सीट जीत लेंगे लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब कोई हाथ में वोटों से ज्यादा सीटें पाना चाहे। तब नए समीकरण बैठाए जाते हैं, जिसके मुख्य अवयवों में धन-शक्ति, बाहुबल और संस्थागत भ्रष्टाचार है। इन तमाम ‘गुणों’ का खुलकर प्रदर्शन होता है।

फिर देश में ऐसे मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष हैं, जिनकी महारत दूसरे दलों के नेताओं को निशाना बनाने की है, वे तोड़कर लाए नेता को अपने बेहतरीन ‘आखेट के नमूने’ की तरह प्रदर्शित करते हैं। जिन पार्टियों के पास जीतने लायक संख्या नहीं होती वे अमीर चेहरों को खड़ा करती हैं। यह उन्हें विधायकों की मंडी में दाखिल होकर अपने लिए पर्याप्त वोट खरीदने का आमंत्रण होता है। ऐसे भी हैं जो निर्विरोध चुने जाते हैं, जिनको पर्याप्त विधायक संख्या बल वाले दल प्रायोजित करते हैं, उनमें कुछ उन सूबों से नहीं होते जहां चुनाव हो रहे हों। इसमें गड़बड़ क्या है- इस बाबत आपका अंदाजा भी मेरे जितना सही है। वे ‘भद्र लोग’ जो पाला बदल लेते हैं, क्या उनका किसी विचारधारा के प्रति झुकाव है? यदि है, तो क्या उन्होंने नई पार्टी की विचारधारा को अधिक लुभायमान पाकर पाला बदला? यह और कुछ नहीं केवल ताकत और धन-दौलत का गलीज खिंचाव है। यही बात उन दलों के लिए भी सही है जो उन्हें डोरे डालते हैं और उनकी वोट स्वीकार करते हैं। तो हमारे पल्ले है क्या? क्या हमारे पास संसद का वह उच्च सदन है, जिसमें विलक्ष्ण बुद्धिमत्ता और नैतिकता से परिपूर्ण शख्सियतें हों, जो लोकसभा द्वारा उनको भेजे गए मामलों पर माकूल बहस और विमर्श करने की काबिलियत रखते हों और फिर अपने अनुभव से सलाह दे सकें? जी नहीं वहां तो अधिकांश वे लोग बैठे हैं जो संकेत मिलने पर हाथ उठाकर या तो ‘आए-आए’ करते हैं या फिर ‘हाय-हाय’ करना जानते हैं। ऐसा नहीं है कि यह सब अभी हो रहा है। आरंभ में, अपनी लीक बनाने वालों में एक इंदिरा गांधी थीं, जिन्होंने ‘सिंडीकेट’ कहे

जाने वाले पुराने कांग्रेसियों को निकाल बाहर करने की खातिर कांग्रेस को दोफाड़ किया। इंदिरा ने राष्ट्रपति पद के लिए वीवी गिरी को बतौर आजाद उम्मीदवार खड़ा किया और उन्होंने कांग्रेस के आधिकारिक प्रत्याशी को हरा दिया। फिर चौधरी चरण सिंह की छिपी महत्वाकांक्षा जगी और उन्होंने मोरारजी देसाई और जनता पार्टी की सरकार गिरा दी और कांग्रेस (आई) के बाहरी समर्थन से प्रधानमंत्री बन गए। आगे चलकर कांग्रेस ने उनसे समर्थन वापस ले लिया, तदनुसार इंदिरा गांधी 1980 में फिर प्रधानमंत्री बनीं। बाद में वीपी सिंह आए, जिन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और जनता दल के कंधों पर सवार होकर प्रधानमंत्री बने। उनकी सरकार तब गिरी जब भाजपा ने समर्थन वापस ले लिया और जनता दल से टूटे धड़े का नेतृत्व करने वाले चंद्रशेखर भारत के नए प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें कांग्रेस का बाहरी समर्थन मिला। राजीव गांधी की हत्या के बाद नरसिम्हा राव अल्प संख्या में सांसद अपने हाथ होने के बावजूद प्रधानमंत्री बने। वहीं प्रधानमंत्री बनने के चंद दिनों बाद वाजपेयी सरकार दलबदल के कारण गिर गई। यह शख्स थे नेशनल कान्फ्रेंस के एकमात्र सांसद सैफुद्दीन सोज। इस एक वोट के कारण देश को फिर से आम चुनाव से गुजरना पड़ा। यूपीए गठबंधन ने भी दो स्थिर सरकारें दीं और कार्यकाल पूरा किया। इस दौरान छोटे क्षेत्रीय दलों ने भाजपा और कांग्रेस को बंधक बनाए रखा और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार अबाध चलता रहा। आज, हम उस स्थिति में हैं जहां यह नहीं पता कि किस पर यकीन करें। राज्यों के विधान सभा और लोक सभा चुनाव की बात करें तो इनमें भी कोई देख सकता है कि बड़े परिदृश्य पर वही राज्यसभा वाला अलोकतांत्रिक नाटक खेला जा रहा है। दलबदल में कोई विचारधारा शामिल नहीं है। क्या आपने कभी सुना कि यूके, अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे प्रजातंत्रों में विचारधारा और क्रॉस वोटिंग जैसी अलामत पाई गई हो? आमतौर पर दल अपने समर्थकों की वफादारी और विचारधारा के कारण जाने जाते हैं जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती है। इन देशों में कोई दलबदल रोधी कानून नहीं है, उनके यहां हैं तो केवल रिवायतें और दृढ़-निश्चयी नैतिकता। हमारे यहां कानून है लेकिन हमें पता है इसे चकमा कैसे देना है। यदि कोई विधायक दलबदल करे तो इस्तीफा देकर नई पार्टी की ओर से पुनः खड़ा होकर जनादेश प्राप्त कर लेता है।

विदेश व्यापार के लिए माहौल अनुकूल

जयंतीलाल भंडारी

यद्यपि इस समय वैश्विक मंदी की लहर का भारत की अर्थव्यवस्था पर भी असर है, सेंसेक्स व डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में बड़ी गिरावट व ब्याज की बढ़ती दरों के कारण महंगाई का बढ़ा हुआ ग्राफ दिख रहा है पर इन आर्थिक व वित्तीय चुनौतियों के बीच भी भारत के लिए विदेश व्यापार का अनुकूल परिदृश्य उभर रहा है। इस समय विकसित, विकासशील और पड़ोसी देशों के साथ भारत के विदेश व्यापार नये समझौतों और व्यापार वार्ताओं का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

हाल ही में 17 जून को दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संगठन आसियान के विदेश मंत्रियों ने नयी दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ विशेष बैठक में विदेश व्यापार में वृद्धि का बड़ा एजेंडा तैयार किया है। गौरतलब है कि अमेरिका की अगुआई में 24 मई को बनाये गये भारत सहित 14 देशों के संगठन हिंद-प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क (आईपीइएफ) के सदस्य देशों की 11 जून को पेरिस में आयोजित हुई अनौपचारिक बैठक के बाद इसके सदस्य देशों के साथ भारत से निर्यात बढ़ने और विदेश व्यापार को नयी गतिशीलता मिलने की संभावनाएं उभरी हैं। आईपीइएफ पहला बहुपक्षीय करार है जिसमें भारत शामिल हुआ है। इसमें अमेरिका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया ब्रूनेई, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलिपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम और फिजी शामिल हैं। 10 जून को अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि अब भारत-अमेरिका व्यापार और आर्थिक संबंधों का नया दौर शुरू हुआ है। दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी तेजी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका में 200 भारतीय कंपनियां हैं और भारत में 2,000 से ज्यादा अमेरिकी कंपनियां। 29 मई को वाणिज्य मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में अमेरिका और भारत के बीच 119.42 अरब डॉलर का व्यापार हुआ जो 2020-21 में 80.51 अरब डालर था। भारत से अमेरिका को निर्यात 2021-22 में बढ़ कर 76.11 अरब डालर हुआ। वर्ष 2021-22 में अमेरिका से भारत का आयात बढ़ कर 43.31 अरब डॉलर हो गया जो पूर्ववर्ती वर्ष में 29 अरब डॉलर था। यह कोई छोटी बात नहीं है कि कोविड-19 और यूक्रेन संकट के बीच भी दुनिया के प्रमुख देशों के साथ भारत का विदेश व्यापार बढ़ रहा है। 24 मई को क्वाड के दूसरे शिखर सम्मेलन में जिस समन्वित शक्ति का शंखनाद किया है, उससे क्वाड भारत के उद्योग-कारोबार के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकता है। हाल ही के वर्षों में जी-7 और जी-20 देशों के साथ तेजी से आगे बढ़े भारत के द्विपक्षीय व्यापार संबंधों और इसी वर्ष 2022 में यूरोपीय देशों के साथ किए गये नये आर्थिक समझौतों के क्रियान्वयन से भारत का विदेश व्यापार बढ़ेगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत ने बहुत कम समय में संयुक्त अरब अमीरात तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को मूर्तरूप दिया गया हैं। अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इजराइल के साथ एफटीए के लिए प्रगतिपूर्ण वार्ताएं सुकूनदेह हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के द्वारा नेबर फर्स्ट और एक्ट ईस्ट नीति के साथ आर्थिक और कारोबारी संबंधों का नया अध्याय लिखा जा रहा है। पिछले माह 16 मई को पीएम नरेंद्र मोदी ने लुम्बिनी में नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा के साथ बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने, शिक्षा क्षेत्र में सहयोग एवं पनबिजली क्षेत्र से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर छह समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इसी तरह पिछले माह 12 मई को रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के नये प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत के साथ तेजी से आर्थिक सहयोग बढ़ाने के संकेत दिये हैं। भारत ने मार्च-अप्रैल 2022 में श्रीलंका को कर्ज डिफाल्ट से बचने के लिए 2.4 अरब डॉलर की मदद, दवाओं, डीजल की आपूर्ति तथा अन्य जरूरी आयात के लिए एक अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन जैसी मदद भी की है। इसके साथ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने श्रीलंका के साथ रुपये में व्यापार लेन-देन की अनुमति भी दी है। अब भारत के द्वारा पाकिस्तान के भारत विरोधी और आतंकी रवैये के कारण भारत दक्षेस के भीतर क्षेत्रीय उपसमूह बीबीआईएन (बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल) की एकसूत्रता पर जोर देकर क्षेत्रीय व्यापार बढ़ाने की रणनीति पर तेजी से बढ़ा रहा हैं। भारत के लिए बिम्सटेक (बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्नोलॉजिकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) देशों के साथ व्यापार की नयी संभावनाएं उभरती दिख रही हैं।

बिम्सटेक के सात सदस्य देशों में से पांच दक्षिण एशिया से हैं, जिनमें भारत बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं तथा दो- म्यांमार और थाईलैंड दक्षिण-पूर्व एशिया से हैं। यह संगठन बंगाल की खाड़ी के आसपास के देशों में चीन के ‘वन बेल्ट, वन रोड’ (ओबीओआर) इनिशिएटिव के विस्तारवादी प्रभावों से भारत को मुकाबला करने का अवसर भी प्रदान करता है। विगत 30 मार्च को बिम्सटेक का पांचवां शिखर सम्मेलन श्रीलंका की मेजबानी में आयोजित हुआ। उम्मीद है कि वर्तमान वैश्विक हालात में भारत के द्वारा विदेश व्यापार के लिए ऐसे सही कदम उठाये जायेंगे, जिनसे वह विदेश व्यापार के टिकाऊ उच्च विकास के अवसरों को मुट्ठी में ले सकेगा।

परिवार के साथ प्रकृति का लेना है आनंद तो बनायें यहां का प्लान

दिल्ली में तापमान लगातार नई ऊंचाईयों को छू रहा है। बढ़ती गर्मी से बच्चों समेत बड़े भी काफी परेशान हैं। शहरों में रहने वाले हर व्यक्ति की गर्मियों में ख्वाहिश होती है कि वह ऐसी जगहों पर जाए जहां कुछ दिन गर्मियों से बचा जा सके और ठंडे मौसम का आनंद उठाया जा सके। हिमाचल, उत्तराखंड में ऐसी कई जगहें हैं जहां आप अपने परिवार के साथ जा सकते हैं और कुछ दिन एंजॉय कर सकते हैं।

सोलन

सोलन, हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत सा शहर है। इसे भारत की मशरूम सिटी के नाम से भी जाना जाता है। गर्मियों में भी यहां का तापमान काफी अच्छा और ठंडा रहता है। शहर की गर्मी से बचने के लिए ये जगह एकदम परफेक्ट है।

औली

औली एक हिमालयन स्की रिसॉर्ट और हिल स्टेशन है। सर्दियों में यहां पर कई तरह की विंटर एक्टिविटीज होती हैं। ऐसा नहीं है कि आप इस जगह पर सिर्फ सर्दियों में ही जा सकते हैं गर्मियों में भी यहां पर आप कई तरह की एक्टिविटीज कर सकते हैं। फैमिली के साथ एंजॉय करने के लिए ये जगह परफेक्ट है।

मणिकरण

मणिकरण सिखों का एक प्रमुख तीर्थस्थल है। यह जगह सिर्फ तीर्थयात्रियों के लिए फेमस नहीं है बल्कि टूरिस्ट्स और ट्रेकर्स के बीच भी काफी फेमस है। गर्मियों में यहां का तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है।

मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर में दिन के समय आपको गर्मी लग सकती है लेकिन रात के समय मौसम काफी अच्छा रहता है। यहां पर 350 साल पुराना मुक्तेश्वर धाम मंदिर भी है जहां आप परिवार के साथ दर्शन के लिए जा सकते हैं। शहर की भीड़ और प्रदूषण से दूर इस जगह पर आप सुकून की सांस ले सकते हैं।

हर्षिल

गर्मियों के मौसम में हर्षिल विलेज का तापमान काफी अच्छा रहता है तो यहां जाते समय गर्म कपड़े ले जाना ना भूलें। यहां आसपास घूमने के लिए बहुत सी जगहें हैं। यहां बहने वाली ठंडी हवाएं आपको भी इस जगह का दीवाना बना देगी।

लेह

लेह सबसे लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स में से एक है। गर्मियों के दौरान यहां का औसत तापमान 25 डिग्री सेल्सियस होता है, ऐसे में परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के लिए ये जगह एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकती है। हालांकि रात के समय यहां का तापमान जीरो डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। ऐसे में अगर आप यहां घूमने जा रहे हैं तो हमेशा अपने साथ गर्म कपड़े लेकर जरूर जाएं, क्योंकि यहां मौसम का कोई भरोसा नहीं होता।

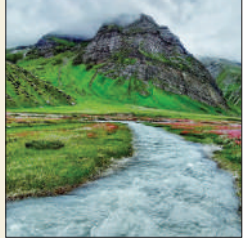

हंसना मना है

नौकरी के ऑर्डर में लिखा था कि सरकार की तरफ से आपको क्वार्टर मिलेगा, और हम इतने भोले थे कि जॉइनिंग के दिन सुबह सोडा लेकर ऑफिस पहुंच गए।

एक औरत थाली लेकर मंदिर जा रही थी अचानक एक आदमी आता है और बोलता है आदमी- बहन जी पिंकी आपकी ही बेटी हैं ना? औरत- हां तो आदमी- आपको पता है आपकी बेटी कॉलेज जाने के बहाने कहां जाती है औरत- मेरे को क्या आदमी- लेकिन वो तो आपकी बेटी है औरत- तो फिर तेरे को क्या?

टीचर- एक दिन ऐसा आएगा जब पृथ्वी पर पानी नहीं रहेगा, जीव-जंतु नष्ट हो जाएंगे। स्टूडेंट- सर, उस दिन कॉलेज में पढ़ने आना होगा या नहीं?

कॉलेज में लड़कियों के कितने नाम होते हैं,तेरी वाली मेरी वाली तेरी भाभी मेरी भाभी.

टीचर- चल बता...4 और 4 कितने होते हैं? टोलू- 10 होते हैं. टीचर- 8 होते हैं... नालायक टोलू- हम दिलदार घर से हैं....2 मैंने अपने खुद के भी डाले हैं।

डॉक्टर- कैसे हो? शराब पीना बंद किया या नहीं? मरीज- बिल्कुल छोड़ दिया है। बस कोई ज्यादा रिक्वेस्ट करता है तो पी लेता हूं। डॉक्टर- बहुत बढ़िया.....।

कहानी — दुष्ट सर्प और कौवे

एक जंगल में बरगद का पेड़ था। उस पेड़ पर घोंसला बनाकर एक कौआ-कव्वी का जोड़ा रहता था। उसी पेड़ के खोखले तने में कहीं से आकर एक दुष्ट सर्प रहने लगा। हर वर्ष मौसम आने पर कव्वी घोंसले में अंडे देती और दुष्ट सर्प मौका पाकर उनके घोंसले में जाकर अंडे खा जाता। कौए ने कव्वी को ढाढ़स बंधाया कि प्रिये, हिम्मत रखो। अब हमें शत्रु का पता चल गया हैं। उपाय भी सोच लेंगे। कौए ने सोचा विचारा और पहले वाले घोंसले को छोड़ उससे काफी ऊपर टहनी पर घोंसला बनाया और कव्वी से कहा यहां हमारे अंडे सुरक्षित रहेंगे। दुष्ट सर्प यहां तक आने का साहस नहीं कर पाएगा। कौवे की बात मानकर कौव्वी ने नए घोंसले में अंडे दिए, जिसमें अंडे सुरक्षित रहे और उनमें से बच्चे भी निकल आए। उधर दुष्ट सर्प टोह लेता रहता था। उसने देखा कि कौआ-कव्वी उसी पेड़ से उड़ते हैं और लौटते भी वहीं हैं। उसे यह समझते देर नहीं लगी कि उन्होंने नया घोंसला उसी पेड़ पर ऊपर बना रखा हैं। एक दिन सर्प खोह से निकला और उसने कौओं का नया घोंसला खोज लिया। घोंसले में कौआ दंपती के तीन नवजात शिशु थे। दुष्ट सर्प उन्हें एक-एक करके घपाघप निगल गया और अपने खोह में लौटकर डकारें लेने लगा। घोंसले में हुई टूट-फूट व नन्हें कौओं के कोमल पंख बिखरे देखकर वह सारा माजरा समझ गए। कव्वी की छाती तो दुख से फटने लगी। कव्वी बिलख उठी तो क्या हर वर्ष मेरे बच्चे सांप का भोजन बनते रहेंगे? कौआ बोला नहीं! यह माना कि हमारे सामने विकट समस्या हैं पर यहां से भागना ही उसका हल नहीं हैं। विपत्ति के समय ही मित्र काम आते हैं। हमें लोमड़ी मित्र से सलाह लेनी चाहिए। दोनों तुरंत ही लोमड़ी के पास गए। लोमड़ी ने अपने मित्रों की दुख भरी कहानी सुनी। उसने कौआ तथा कव्वी के आंसू पोंछे। लोमड़ी ने काफ़ी सोचने के बाद कहा मित्रो! तुम्हें वह पेड़ छोड़कर जाने की जरुरत नहीं हैं। मेरे दिमाग में एक तरकीब हैं, जिससे उस दुष्टसर्प से छुटकारा पाया जा सकता हैं। लोमड़ी ने अपने चतुर दिमाग में आई तरकीब बताई। लोमड़ी की तरकीब सुनकर कौआ-कव्वी खुशी से उछल पड़ें। उन्होंने लोमड़ी को धन्यवाद दिया और अपने घर लौट आएं। कुछ दिनों बाद सांप मारा गया और दोनों खुश-खुश उसी पेड़ पर रहने लगे।

5 अंतर खोजें

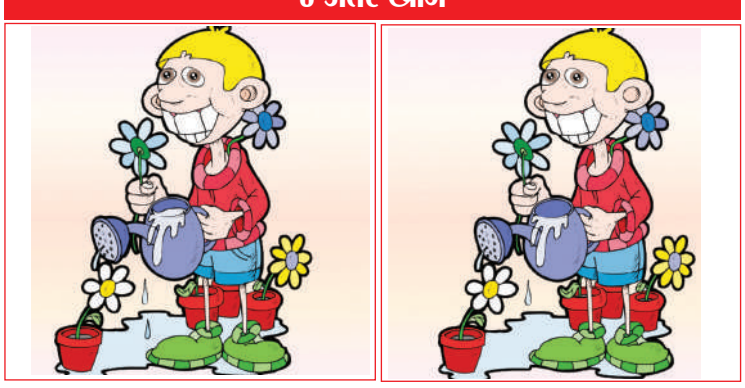

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष वाहन चलाते वक्त सावधानी बरतें, रात के समय यात्रा कर रहें हों तो अनुमान नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसलिए निवेश करते वक्त पूरी सावधानी बरतें।

वृषभ आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको अपनी परफॉरमेंस के लिये बॉस का समर्थन प्राप्त होगा। प्रति समर्पण लोग देखा जायेगा, जिसके लिये सम्मानित किया जायेगा।

मिथुन किसी झगड़ालू इंसान से वाद-विवाद आपका मूड खराब कर सकता है। समझदारी से काम लें और अगर संभव हो तो इससे बचें, विवाद मददगार नहीं रहेगा।

कर्क आज का दिन सामान्य रहने वाला है। पिछले कई दिनों से आप किसी बात को लेकर काफी परेशान चल रहे थे। अपनो की मदद से समाधान मिलना तय है।

सिंह आपका बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ खींचेगा। खास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नजर आएगी।

कन्या कुछ नई चीजों को सीखने की जरूरत है क्योंकि जिस काम को आप नजरअंदाज करते आ रहे थे आज उन्हीं से आपको उम्मीद से अधिक लाभ मिलेगा।

तुला आपको कोई गलत जानकारी मिल सकती है, जिसके चलते आप तनाव का शिकार हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

वृश्चिक आज अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ कठिन काम को करने की क्षमता प्रदान करेगा। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इजाफा करेगा।

धनु स्वयं को शांत बनाए रखें क्योंकि आज आपको ऐसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप काफी मुश्किल में पड़ सकते हैं।

मकर ऑफिस में आप अधिकारियों के निकट रहेंगे साथ ही सहकर्मियों से किसी काम में सहयोग मिलेगा। व्यवसाय को लेकर भाग-दौड़ बनी रहेगी।

कुम्भ सफलता करीब होने के बावजूद आपकी ऊर्जा के स्तर में गिरावट आएगी। सट्टेबाजी से फायदा हो सकता है। गरीबों की मदद करना फायदेमंद रहेगा।

मीन दिन सामान्य रहने वाला है। आपको कामकाज के बारे में गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। दूसरों की सलाह पर ध्यान दें, आपके लिये फायदे मंद साबित हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

बालीवुड को डर से बाहर निकलना चाहिए: माधवन

अभिनेता आर माधवन ने कान फिल्म फेस्टिवल खूब चर्चा बटोरी थी। माधवन की फिल्म रॉकेट्री : द नांबी इफेक्ट का कान फिल्म फेस्टिवल 2022 में वर्ल्ड प्रीमियर किया गया था। इस फिल्म की सारी जिम्मेदारी आर माधवन ने संभाली है। फिल्म की कहानी, और डायरेक्शन खुद अभिनेता ने ही किया है। बीते दिन माधवन दिल्ली में थे और इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म को लेकर मीडिया से बात की और बताया कि उनके लिए ये फिल्म करना कितना मुश्किल था। आर। माधवन ने साथ ही करण जौहर के केजीएफ लिंचिंग वाले बयान को लेकर भी अपनी बात कही। बता दें कि करण जौहर ने कहा था कि अगर बॉलिवुड वाले केजीएफ जैसी फिल्में बनाते तो या तो फिल्म को बैन कर दिया जाता या फिर मेकर्स को मार दिया जाता, इसको लेकर जब संवाददाता ने माधवन से इस बारे में उनकी राय मांगी तो माधवन ने कहा, देखिए ऐसी कोई बात नहीं है। जैसे साउथ की कई फिल्में जैसे पुष्पा, आरआरआर, केजीएफ चैप्टर 2, बाहुबली हिट हुई हैं, वैसे ही द कश्मीर फाइल्स, गंगूबाई काठियावाड़ी और भूल भुलैया-2 अच्छी चली हैं। ऐसा नहीं है कि साउथ की सभी फिल्में चली हैं और हिंदी की सारी फिल्में फ्लॉप हुई हों। तो आप देखेंगे कि जितनी भी फिल्में चली हैं, उनका स्टोरी टेलिंग क्रिस्प रहा है, हर एक मेकर या ऐक्टर ने जल्दी में वो फिल्में नहीं बनाई हैं। ये मेहनत ही दर्शक देखते हैं, उसमें भाषा या कुछ और रोड़ा नहीं बन सकता। तो मुझे लगता है कि बॉलीवुड को इस डर से निकलना चाहिए। माधवन, Rocketry: The Nambi Effect एक ऐसी फिल्म है जिसे हम 3 भाषाओं में ला रहे हैं, लेकिन किसी भी भाषा के लिए डबिंग नहीं की गई है। सभी डायलॉग ओरिजिनल उसी भाषा में रिकॉर्ड किये गए हैं। हमने शाहरुख के साथ पहले एक शॉट हिंदी में लिया, उसके बाद इंग्लिश में और उसके बाद तमिल में उसे रिकॉर्ड किया।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी निकम्मा

बॉलीवुड | मसाला

शिल्पा शेट्टी और एक्टर अभिमन्यु दासानी की फिल्म निकम्मा का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। फिल्म रिलीज हो चुकी है। हालांकि ये फिल्म कुछ खास कमाल करती दिखाई नहीं दे रही। निकम्मा बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी है। बेशक फिल्म की कहानी एक्शन और रोमांस से भरपूर है, लेकिन दर्शकों को फिल्म की स्टोरीलाइन बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। इसी के साथ शिल्पा शेट्टी का कमबैक भी बेजान साबित हुआ है। फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर मजह 51 लाख रुपये का कारोबार किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने सिर्फ 47 लाख रुपये की कमाई की। अब फिल्म के रविवार का कलेक्शन सामने आ चुका है। फिल्म अपनी रिलीज के तीसरे दिन 52 लाख रुपये ही जुटा पाई है। इसी के साथ फिल्म अब तक कुल 1.51 करोड़ रुपये बटोर पाई है। रिपोर्ट्स हैं कि फिल्म के कई शोज कैंसिल कर दिए गए हैं। 2017 में आई तेलुगू फिल्म मिडिल क्लास अब्बाई उर्फ एमसीए का रीमेक निकम्मा ऑडियंस को थिएटर तक लाने में नाकाम हो गई है। फिल्म के निर्देशक साबिर खान के करियर की ये पहली ऐसी फिल्म है जिसका पहले दिन का कलेक्शन एक करोड़ रुपये से भी कम रहा। फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर कमबैक कर रहीं शिल्पा के फिल्मी करियर पर फिर से ग्रहण लग गया है। जहां एक ओर फिल्म को भारत में 1246 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है। वहीं, विदेशों में इसे 20 देशों में 318 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया है। शिल्पा के अलावा अभिमन्यु दसानी और शर्ली सेतिया लीड रोल में थे। वहीं समीर सोनी सर्पोटिंग कास्ट में दिखे। इसके अलावा शिल्पा शेट्टी की दो और फिल्में अगले साल फ्लोर पर आएंगी।

द सिग्नेचर से अनुपम खेर का फर्स्ट लुक हुआ रिलीज

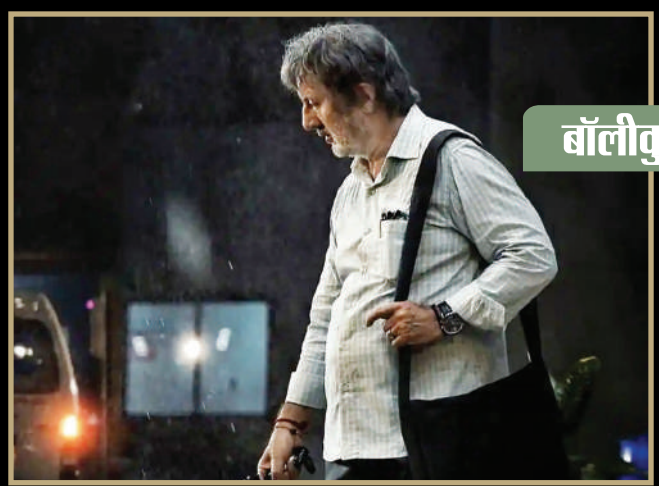

बॉलीवुड | गपशप

द कश्मीर फाइल्स की सफलता के बाद अनुपम खेर अगली फिल्म द सिग्नेचर में नजर आने वाले है। लोगों को उनकी आने वाली फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। वह फिल्म में दमदार रोल निभाते नजर आएंगे। द सिग्नेचर से उनका फर्स्ट लुक रिलीज हो चुका है, जो काफी इंट्रेस्टिंग लग रहा है। कुछ दिनों पहले अनुपम खेर ने अपनी इस फिल्म के टाइटल का इंस्टाग्राम पर खुलासा किया था, अब उन्होंने इसका ऑफिशियली पोस्टर रिलीज किया है। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में अनुपम खेर हाथ में एक झोला टांगे है, वहीं दूसरे हाथ में छाता लिए नजर आ रहे हैं। उन्होंने साधारण सी पैंट, मैली शर्ट पहनी हुई है। इस फिल्म की खास बात यह कि अनुपम खेर की यह 525वीं फिल्म है।फिल्म द सिग्नेचर में अनुपम खेर के साथ महिमा चौधरी, नीना कुलकर्णी, मनोज जोशी, स्नेहा पॉल, केविन, संगीता जैन बोकाडिया और रणवीर शौरी भी स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। बता दें कि महिमा कई सालों बाद इस फिल्म से फिल्मों में कमबैक कर रही हैं। फ़िल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता गजेंद्र अहिरे कर रहे हैं, वहीं के। सी। बोकाडिया फ़िल्म का प्रोड्क्शन संभाल रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुपम खेर द सिग्नेचर के अलावा फिल्म आईबी 71 में भी दिखाई देंगे। संकल्प रेड्डी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विद्युत जामवाल मुख्य भूमिका में होंगे।

अजब-गजब | मां-बाप ही पहनाते हैं सफेद कपड़ा

भारत का वो गांव जहां विधवा के लिबास में विदा होती है दुल्हन

भारत में कई तरह के समुदाय के लोग रहते हैं। हर समुदाय के लोगों के अपने नियम-कायदे होते हैं। साथ ही अलग-अलग तरह की परम्पराएं होती हैं। हालांकि चाहे कोई भी धर्म हो या कोई भी समुदाय हो, उनके लिए शादी किसी महोत्सव से कम नहीं होता। भारत में शादियां किसी त्योहार की तरह मनाई जाती है। आज हम जिस समुदाय के बारे में बताने जा रहे हैं, वहां शादी के बाद बेहद अजीब रिवाज निभाया जाता है। यहां शादी होने के बाद माता-पिता ही दुल्हन का लाल जोड़ा खुलवा देते हैं। इसके बाद उसे विधवा के लिबास में विदा किया जाता है। हम बात कर रहे हैं मध्य प्रदेश के मंडला जिले के भीमडोंगरी गांव की। यहां आदिवासी समाज के लोग रहते हैं। इनमें शादियां काफी धूम-धाम से करवाई जाती है। सब कुछ वैसा ही होता है जैसा किसी आम भारतीय शादी में होता है, लेकिन शादी के बाद अजीबोगरीब रस्म यहां निभाई जाती है। वो है दुल्हन को सफेद लिबास में विदा करना। जी हां, यहां विदाई एक समय दुल्हन को विधवा की तरह सफेद कपड़े पहना दिए जाते हैं, लेकिन इससे भी अजीब एक और बात होती है। ना सिर्फ दुल्हन, बल्कि गांव के हर शख्स को शादी में सफेद कपड़े पहनने का रिवाज है। अब आप सोच रहे होंगे कि ये कैसी प्रथा है? दरअसल,

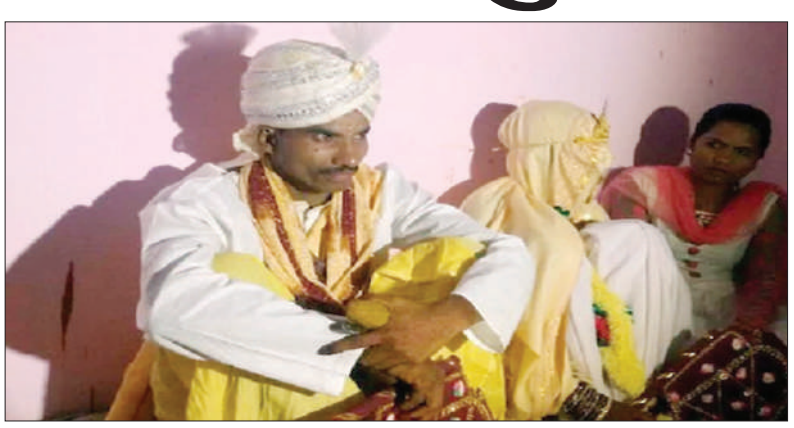

इसके पीछे खास कारण है। दरअसल, इस गांव में रहने वाले गौंडी धर्म का पालन करते हैं। उनके लिए सफेद रंग शांति का प्रतीक होता है। साथ ही सफेद रंग को पवित्र मानते हैं जिसमें कुछ मिलावट नहीं होती। इस कारण लोग सफेद लिबास को शादी में पहनना शुभ मानते हैं। इस गांव में रहने वाले गौंडी धर्म के लोग अन्य आदिवासी रिवाजों से अलग नियम मानते हैं। इस गांव में शराब पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस गांव में शादी-ब्याह में सफेद कपड़े पहनने के अलावा और भी कई अलग रिवाज माने जाते हैं। शादी के समय लोगों का पहनावा देखकर ये अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वहां खुशी का जश्न मनाया जा रहा है कि मातम मनाया जा रहा है? इसके अलावा यहां शादी में अन्य समुदायों से अलग कुछ रिवाज माने जाते हैं। जैसे आमतौर पर दुल्हन शादी के समय अपने घर पर फेरे लेती है। लेकिन इस समुदाय में दूल्हे के घर पर फेरे लिए जाते हैं। चार फेरे दुल्हन के घर पर लेकिन बाकी के तीन दूल्हे के घर पर।

यहां पर मुर्गियों को भांग खिला रहे हैं किसान

दुनियाभर में आए दिन अजीबोगरीब खबरें सुनने को मिलती हैं। अब इस बीच एक बार फिर ऐसी ही खबर सामने आई है जिसके बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। आमतौर पर नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने वाली भांग कई देशों में बैन है, लेकिन थाईलैंड में किसान अपनी पालतू मुर्गियों को भांग खिला रहे हैं। इसके पीछे की वजह भी अजीबोगरीब है। यहां के किसान एंटीबायोटिक्स से बचाने के लिए मुर्गियों को भाग खिला रहे हैं। थाईलैंड के उत्तर में शहर लम्पांग में पोल्ट्री फॉर्म के किसानों ने वैज्ञानिकों के कहने पर ऐसा करना शुरू किया है। चियांग माई यूनिवर्सिटी के कृषि विभाग के वैज्ञानिकों की सलाह पर इस प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई है। नेशन थाईलैंड में सबसे पहली रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। किसानों ने अपनी मुर्गियों को एंटीबायोटिक्स लगवाया था। आइए जानते हैं कि आखिर वहां के किसान ऐसा क्यों कर रहे हैं। उनका कहना है कि मुर्गियों को एवियन ब्रॉन्काइटिस नामक की बीमारी हो गई। इसके बाद उन्होंने मुर्गियों को पीपीपी के तहत भांग वाली डाइट रखा। यहां पर कुछ फार्मों के पास भांग उगाने का लाइसेंस है। वह जानना चाहते थे कि भांग की वजह से मुर्गियों की सेहत पर क्या फायदा होता है। पीपीपी एक्सपेरिमेंट के तहत एक हजार से यादा मुर्गियों को अलग-अलग मात्रा में भांग खिलाया गया। ऐसा इसलिए कि उन पर अलग-अलग होने वाले असर को देखा जा सके। इनमें कुछ मुर्गियों को भाग को पानी में घोलकर दिया गया। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इनके ऊपर नजर रखा था कि मुर्गियों के विकास, सेहत और उनसे मिलने वाले मांस और अंडों पर इसका क्या असर होता है। जिन मुर्गियों ने भांग खाया था उनके मांस और व्यवहार में कोई फर्क नहीं दिखा है। हालांकि इस एक्सपेरीमेंट का अभी तक कोई डेटा पब्लिश नहीं किया गया है। लेकिन उन्होंने दावा किया है कि भांग खाने वाली कुछ मुर्गियों को एवियन ब्रॉन्काइटिस नाम की बीमारी हो रही है वो बहुत कम मात्रा में। लेकिन उनमें मिलने वाले मांस पर कोई असर नहीं पड़ा और न ही मुर्गियों में कोई बदलाव नजर आया है। स्थानीय लोगों ने भांग खाने वाली मुर्गियों को खाने में इस्तेमाल भी किया है, लेकिन उनको कोई परेशानी नहीं हुई। इस एक्सपेरिमेंट के सफल होने के बाद किसान खुद इस प्रोजेक्ट में हिस्सा ले रहे हैं। किसानों का कहना है कि भांग से बिना किसी नुकसान के अगर मुर्गियां एंटीबायोटिक और बीमारियों से बच सकती हैं, तो इसमें कोई परेशानी नहीं है।

नौजवान और किसान विरोधी है भाजपा सरकार : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरी देने का वादा निकला झूठा

» युवाओं में फैल रही हताशा देश के लिए घातक

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का रवैया किसान और नौजवान विरोधी है। भाजपा का दो करोड़ नौकरी प्रतिवर्ष देने का वादा धोखा साबित हुआ।

डबल इंजन भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में पांच वर्ष में 70 लाख नौकरी देने का वादा किया था। राज्य के नौजवान ढूंढ रहे कि नौकरी कहां है? युवाओं में वर्तमान के प्रति हताशा और निराशा, भविष्य के प्रति असुरक्षा और आशंका का भाव देश के विकास के लिए घातक होता है।

उन्होंने कहा कि सैन्य भर्ती में खानापूर्ति करने वाला जो लापरवाह रूख अपनाया जा रहा है वह देश के युवाओं में आक्रोश पैदा कर रहा है। यह सोच बुनियादी तौर पर गलत है कि लोग फौज में नौकरी करने जाते हैं जबकि युवा देशभक्ति के जज्बे से सेना में जाते हैं और अपना जीवन बलिदान करते है। वे क्या जाने सेना और सेना के जज्बे को जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन तक में हिस्सा न लिया हो? उन्होंने कहा कि युवा शक्ति का इस्तेमाल रचनात्मक होना चाहिए। राष्ट्र के निर्माण में युवाओं की सकारात्मक भूमिका होनी चाहिए। सरकारों का दायित्व देश के वर्तमान को सुधारना और भविष्य को संवारना होता है। सरकारों की जिम्मेदारी है कि नौजवानों की ऊर्जा को सही दिशा मिले और उनके भविष्य से खिलवाड़ न हो। फौज में युवाओं के रोजगार की तमाम संभावनाएं हैं। फौज में उनकी संख्या में वृद्धि हो। अत: पहले जैसी सेना भर्ती प्रक्रिया लागू होनी चाहिए। नौजवानों की आशंकाओं का निराकरण किया जाना चाहिए। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि भाजपा देश के लिए सैन्य बल तैयार करने में रूचि रखती है या अपने कार्यालयों के लिए सिक्योरिटी गार्ड की ट्रेनिंग दिलवाने की योजना लागू करने जा रही है। भाजपा सरकार देश को 'जय जवान-जय किसान' की जगह 'रुष्ट जवान और रुष्ट किसान' के हालात में ले आई है। सत्ता का ऐसा दुरुपयोग किसी भी सरकार ने नहीं किया है। भाजपा मनमानी पर तुली है। इससे भविष्य में देश के सामने संकट और भी ज्यादा गहरायेगा।

बेटे ने मोबाइल पर खेला ऑनलाइन गेम, पिता के खाते से कट गए 39 लाख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। खंदौली में बेटे के गेम खेलने की लत की वजह से सेवानिवृत्त फौजी के खाते से 39 लाख कट गए। पीड़ित की शिकायत पर रेंज साइबर थाना पुलिस ने जांच की। इसमें मामला सामने आने के बाद गेम प्रोवाइडर कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेवानिवृत्त फौजी ने रेंज साइबर थाना में शिकायत की। इसमें कहा कि उनके खाते से 39 लाख निकल गए हैं मगर यह रकम कैसे निकली? पता नहीं चला है। उन्होंने किसी को कोई जानकारी नहीं दी है। कोई ऐप भी डाउनलोड नहीं किया। मामले की जांच साइबर सेल ने शुरू की। इससे पूर्व फौजी के खाते से हुए भुगतान की जानकारी मिली। पता चला कि पहले रकम पेटीएम से कोडा पेमेंट में गई। इसके बाद सिंगापुर की बैंक के खाते में चली गई। यह खाता क्रॉफ्टन कंपनी का है। कंपनी बैटल ग्राउंड्स मोबाइल इंडिया के नाम से ऑनलाइन गेम खिलाती है। यह गेम पिछले कुछ महीने पहले भारत में काफी प्रचलित हुआ था। गेम में हथियार और अन्य सुविधाएं भुगतान करके ली जा सकती है। सेवानिवृत्त फौजी का बेटा गेम खेलता था। इस लत की वजह से उसने गेम में भुगतान कर दिया। ऑटो मोड पर भुगतान करने की वजह से रकम कटती गई। इसका पता काफी समय बाद हुआ। बेटे की वजह से खाते से 39 लाख रुपये निकल गए।

डीएम से बोली महिला साहब! मैं जिंदा हूं

संपत्ति हड़पने के लिए पुत्र ने बनवा दिया मां का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। 19 साल पहले कागजों में मर चुकी महिला अपने जिंदा होने का सुबूत देने मंगलवार सुबह जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गई। उसने डीएम से कहा कि बेटे ने मुझे मृत दिखाकर फर्जी तरीके से मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया है। यह सुनने के बाद जिलाधिकारी कार्यालय में मौजूद सभी लोग हैरान हो गए।

डीएम ने जांच के दिए आदेश, दोषियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

अहार क्षेत्र के गांव दरावर निवासी कैलाशो देवी ने बताया कि जुलाई 2003 में उसके पति जगत सिंह की मौत के बाद पूरी संपत्ति उसके नाम आ गई थी। उस वक्त बड़ा बेटा 20 वर्ष का था, तीन अन्य बेटे नाबालिग थे। वर्ष 2007 में बड़े बेटे ने संपत्ति हड़पने के लिए फर्जीवाड़ा करते हुए पिता के साथ मां को भी 2003 में मरा हुआ दिखाकर मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया। पिछले दिनों प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्राप्त करने वाले किसानों की सूची आई थी। उसमें जगत सिंह का भी नाम था। इसके बाद ग्राम प्रधान ने उससे पति का मृत्यु प्रमाण पत्र मांगा। जब वह मृत्यु प्रमाण पत्र लेने के लिए बड़े बेटे के पास गईं तो उसने जल्दबाजी में पिता के बजाए उसने मेरा मृत्यु प्रमाण पत्र दे दिया। फोटोकॉपी कराने के दौरान दुकान संचालक और फिर ग्राम प्रधान ने बताया कि यह उसका मृत्यु प्रमाण पत्र है न कि उसके पति का। बड़े बेटे से इसका विरोध किया तो वह जान से मारने के लिए पीछे दौड़ा। डीएम ने मामले में एसडीएम को जांच के आदेश दिए हैं। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने कहा कि जो भी दोषी होंगे जांच रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। महिला ने बताया कि उसके पास 26 बीघा जमीन है जिसमें 18 बीघा उसके नाम है।

पिता और भाई की हत्या कर खुद को किया पुलिस के हवाले, सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आजमगढ़। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के धनधारी गांव में मंगलवार की रात एक युवक ने अपने पिता व छोटे भाई को गोली मार दी। परिवार की एक महिला भी गोली लगने से घायल हो गई। तीनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद पिता-पुत्र को मृत घोषित कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी कप्तानगंज थाने पहुंच गया और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के पीछे पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है।

धनधारी गांव निवासी मनोज कुमार सिंह की पिता शिव नारायण सिंह व छोटे भाई मनीष कुमार सिंह से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। मनोज ने छोटे भाई मनीष को गोली मार देने की धमकी दी और असलहा निकाल लिया। बचाव में पिता शिवनारायण आगे आए तो मनोज द्वारा चलाई गई गोली का शिकार हो गए। इसके बाद मनोज ने मनीष को भी गोली मार दी।

» गोली लगने से महिला भी घायल, पारिवारिक विवाद में दिया घटना को अंजाम

परिवार की महिला अवधराजी को भी गोली लगी है। घटना के बाद मनोज कप्तानगंज थाने पर पहुंचा और खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। इधर, ग्रामीण घायलों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने शिवनारायण और मनीष को मृत घोषित कर दिया। एसपी अनुराग आर्य ने बताया कि धनधारी गांव निवासी मनोज कुमार सिंह सेना में था। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है।

वृद्ध ने बहू को मारी गोली, मौत

हरदोई। बेटी से विवाद में 90 वर्षीय वृद्ध ने अपनी लाइसेंसी राइफल से बहू की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने राइफल समेत उसे गिरफ्तार कर लिया। उनके पुत्र ने ही हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। बेहटागोकुल क्षेत्र के सैदपुर निवासी गफूर अहमद के पास खेतीबाड़ी है। उनका एक पुत्र इकबाल बाहर रहता है जबकि बड़ा पुत्र इरसाद अपनी पत्नी सुलेमा (57 वर्ष) व पांच बच्चों के साथ गांव में रहते हैं। उनकी बहन तस्लीमन घर पर आईं हुईं थी। मंगलवार को इरसाद उसके पुत्र और बहू बाग पर थे जबकि घर पर बुजुर्ग पिता गफूर के साथ ही सुलेमा और तस्लीमन थीं। बताते हैं कि सुलेमा और तस्लीमन के बीच घर में किसी बात को लेकर विवाद होने लगा और दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। गफूर कमरे में थे। उन्हें लगा कि बहू सुलेमा उनकी बेटी को परेशान कर रही है। पहले उन्होंने विवाद शांत करना चाहा लेकिन जब बात नहीं बनी तो उन्होंने अपनी लाइसेंसी राइफल से बहू सुलेमा के ऊपर गोली चला दी जोकि उसके सिर में लगी और उसकी मौत हो गई।

हर्ष फायरिंग में गोली लगने से सेना के जवान की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में चली गोली सेना के जवान को लग गई जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक सेना में कार्यरत था। उसकी लाइसेंसी पिस्टल भी गायब है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

राबर्ट्सगंज ब्रह्मनगर स्थित एक मैरेज हॉल में मंगलवार की रात बरात आई थी। इसमें शामिल होने के लिए रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र के महुआरी-तेंदू निवासी बाबूलाल यादव पुत्र दयाराम यादव भी आया था। समारोह में कुछ लोग हर्ष फायरिंग कर रहे थे। इस दौरान बाबूलाल फायरिंग की जद में आ गया। बाबूलाल को जिला अस्पताल लाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। जवान की लाइसेंसी पिस्टल भी गायब थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैंड बाजे के भुगतान को लेकर भिड़े वर-वधू पक्ष, दुल्हन ने लौटाई बारात

» पुलिस भी नहीं करा पायी सुलह दोनों पक्षों ने लेन-देन किया वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। जिले में बैंड बाजे के भुगतान को लेकर वर-वधू पक्ष भिड़ गए। इसकी जानकारी जैसे ही दुल्हन को हुई तो उसने शादी से इनकार कर दिया। मामला पुलिस तक पहुंचा। समझौते की कोशिश नाकाम रही। लिहाजा बारात बिना दुल्हन के लौट गई।

फर्रुखाबाद के कंपिल कस्बा निवासी धर्मेंद्र की बारात सोमवार को मिर्जापुर में आई थी। बारात में कई कार्यक्रम संपन्न होने के बाद जब बैंड वालों ने वर पक्ष से अपना भुगतान मांगा तो उन्होंने यह कहकर देने से मना कर दिया कि वधू पक्ष के लोग उन्हें रुपये देंगे। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इस दौरान दूल्हा धर्मेंद्र भी अपने गले में पड़ी वरमाला तोड़कर अपने परिजनों के पक्ष में खड़ा हो गया। यह बात वधू पक्ष के लोगों को और नागवार गुजरी और दुल्हन ने रिश्ता तोड़ दिया। पूरे मामले में मिर्जापुर के थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि बैंड वाले को रुपये देने को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे। वर पक्ष की तरफ से मारपीट और अपमान का आरोप लगाया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस के हस्तक्षेप और क्षेत्र के संभ्रांत लोगों के समझाने के बावजूद सहमति नहीं बनने पर दोनों पक्षों ने आपसी लेन-देन वापस कर दिया और बारात दुल्हन लिए बगैर लौट गई। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी पक्ष द्वारा कोई तहरीर नहीं दी गई है।

आजमगढ़ व रामपुर उपचुनाव की जंग, कल होगा मतदान

रामपुर में आजम बोले, टाइगर इज बैक

» जीते जी जौहर यूनिवर्सिटी बर्बाद नहीं होने दूंगा

» मुझ पर शराब की दुकान लूटना, 16 हजार रुपए लूटने जैसे मुकदमे लिखाए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर में लोकसभा उपचुनाव के मतदान से एक दिन पहले आजम खां ने कहा- टाइजर इज बैक। मेरे जेल से वापस आने के बाद रामपुर में परेशानियां कम हुई हैं। उन्होंने कहा सपा सरकार में मंत्री रहते हुए मुझ पर शराब की दुकान लूटना, 16 हजार रुपए लूटने जैसे मुकदमे लिखाए गए। उन्होंने आगे कहा, पीएम, गृहमंत्री और मुख्यमंत्री इन मुकदमों को वापस भले ही न लें, लेकिन वो अपने पद की गरिमा देखते हुए तय करें कि उन्हें क्या करना है। वो पूरे देश से माफी मांगें कि इस स्तर पर आकर सियासत का इंतकाम ले सकते हैं।

आजम ने कहा, मुझ पर जेल में जुल्म किए गए। कोरोना काल में जब बीमार था तो कानों में आवाज आई, किसी के चीखने की थी। बाद में पता चला की जवाब दे दिया गया था कि मैं मर चुका हूं। इन जख्मों पर कोई मरहम नहीं लगा सकता। लेकिन अगर सपा प्रत्याशी आसिम राजा हार गए तो यह जख्म मेरे लिए नासूर बन जाएगा। मैं कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहूंगा। आजम ने कहा, मैं अपने जीते जी यूनिवर्सिटी को बर्बाद नहीं होने दूंगा या तो मैं नहीं रहूंगा या यूनिवर्सिटी रहेगी। हमारे कांटे उनके जीतने से कम नहीं हो जाएंगे। लेकिन अगर कुछ और फैसला हुआ तो हमारे कांटों में और इजाफा हो जाएगा। रामपुर में 23 जून को वोटिंग है। आजम खान के लोकसभा पद से इस्तीफा देने के बाद यह सीट खाली हुई थी। सपा ने यहां से आजम के करीबी आसिम राजा को टिकट दिया है। जबकि भाजपा ने घनश्याम लोधी को टिकट दिया है। वहीं प्रचार के आखिरी दिन सीएम योगी ने भी रामपुर में जनसभा में कहा, जो जेल में थे, उनको भी कोरोना के दौरान फ्री में इलाज मिला। रस्सी जल गई, लेकिन ऐंठन नहीं जा रही है।

सपा आजमगढ़ जीत की दौड़ में बहुत आगे

आजम ने कहा आजमगढ़ में एक सीट पर चुनाव हो रहा है। वहां सपा जीत की दौड़ में बहुत आगे है। रामपुर में आप कुछ गलत मत कर देना। वरना, आजमगढ़ वाले कहेंगे आपने आकर हमें तो जिता दिया, लेकिन आप ही की सीट चली गई। बिजली की चेकिंग, सड़कों पर लूट सब कम होगी। बहुत कुछ कम हुआ है, हमारे आने से। आजम ने नवेद मियां की मां बेगम नूर बानो पर तंज किया। कहा, उन्हें हज पर चले जाना चाहिए। नजफ में अपने पूर्वजों की कब्रों पर जाकर फातिहा पढ़नी चाहिए, लेकिन उनकी सिर्फ यही जिद है कि जौहर यूनिवर्सिटी सरकार ले ले।

आजमगढ़ में जमाली को हर वर्ग का समर्थन : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आजमगढ़ के लोगों से लोकसभा उपचुनाव के लिए समर्थन मांगा है। मायावती ने कहा कि बसपा प्रत्याशी को जन समर्थन मिल रहा है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि यूपी में आजमगढ़ लोकसभा की सीट पर कल 23 जून को होने वाले उपचुनाव में बीएसपी को जिस प्रकार से सभी वर्गों व धर्मों के लोगों का समर्थन मिल रहा है। वह काफी उत्साहवर्धक है। विरोधियों के हथकण्डों से दूर रहकर यह जन समर्थन वोट में भी जरूर बदलेगा, ऐसा पूर्ण विश्वास। मायावती ने बताया कि बीएसपी उम्मीदवार शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली के लोकल व दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोगों का हमेशा मददगार होने के कारण इनकी साख व लोकप्रियता विरोधियों से कहीं अधिक, जिसका चुनाव परिणाम पर अच्छा असर पड़ने की संभावना। मतदान में बढ़-चढ़ कर भाग लेने की भी पुरजोर अपील की। बता दें कि मायावती ने भले ही आजमगढ़ लोकसभा उप चुनाव के मैदान में एक दिन भी प्रचार नहीं किया, लेकिन वे सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार अपने समर्थकों को संदेश देने का प्रयास करती दिख रही हैं। एक अन्य ट्वीट में मायावती ने कहा कि बसपा उम्मीदवार शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली के लोकल और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोगों का हमेशा मददगार होने के कारण उनकी साख और लोकप्रियता विरोधियों से कहीं अधिक है। इसका चुनाव परिणाम पर अच्छा असर होने की संभावना है।

दोनों उपचुनाव में होगी सपा की जीत : राजभर

लखनऊ। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि दोनों उपचुनावों में सपा की जीत होगी। राजभर ने कहा भाजपा से हर वर्ग परेशान है। जब से यह सरकार सत्ता में आई, तब से देश में गरीबी और महंगाई बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने कहा आने वाले चुनावों में जनता इस भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेकेंगी। उपचुनाव के अंतिम दिन सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव के समर्थन में वोट मांगने आजमगढ़ पहुंचे ओमप्रकाश राजभर ने निरहुआ के रोड शो पर कहा कि इससे कुछ नहीं होता। ई सब भाजपाई लोग झूठे हो-हल्ला कर रहा है। वैसे सुनते हैं, ई लोग बहुत तगड़ा नाचते हैं। कहा कि निरहुआ के प्रचार में नाचने-गाने वाले आते हैं। उन्होंने डोर-टू-डोर वोट मांगा। प्रचार का शोर थमने के बाद प्रत्याशियों ने अब डोर-टू-डोर प्रचार पर अपना पूरा जोर लगा दिया है। अब उनका प्रयास है कि वह ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं तक पहुंच सकें। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी ने अपनी पूरी ताकत झोंकी। इससे एक दिन पहले किसी ने रोड शो निकाल कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया तो वहीं किसी ने लोगों से जनसंपर्क किया।

अग्निपथ पर युवाओं के समर्थन में वरूण गांधी

» कहा- मुकदमे की धमकी से डरा रही सरकार, इससे बंद होंगे बातचीत के रास्ते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी सांसद वरुण गांधी एक बार फिर अग्निपथ स्कीम का विरोध करने वाले छात्रों के समर्थन में खड़े नजर आए हैं। सांसद वरुण गांधी ने कहा कि सरकार मुकदमे की धमकी से डरा रही है, इससे बातचीत के रास्ते बंद होंगे। वरुण ने ट्वीट कर लिखा कभी मुकदमे तो कभी क्या न देने की धमकी देकर हम ही संवाद के रास्ते बंद कर रहे है। कोई नई योजना लागू करने से पहले रिक्त पड़े लाखों पदों को भरने का ब्लूप्रिंट छात्रों से साझा करे सरकार। यही वक्त की सबसे बड़ी मांग है।

सांसद ने अपना एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें सांसद वरुण गांधी छात्रों के हित की बात करते नजर आ रहे हैं। वरुण ने वीडियो में कहा हर दिन सरकार अनेकों घोषणाएं कर रही है, जो हैरान करने वाली हैं। सेना से बाहर निकलने वाले अग्निवीरों के लिए सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों में अपने-अपने संबंधित विभागों में नौकरी देने की बात रोज सामने रखी जाती है। वरुण ने कहा नौकरी देने की होड़ में अब देश के बड़े-बड़े उद्योगपति भी शामिल हो गए हैं। सबने अपनी अपनी कंपनियों में इन अग्निवीरों को नौकरी देने की बात कही है। सरकार और उद्यमियों द्वारा किए गए वादे स्वागत योग्य है। अग्निपथ योजना को लेकर विरोध कर रहे युवाओं का आंदोलन तत्काल खत्म हो जाना चाहिए। सरकार को युवाओं से बात करनी चाहिए।

अपनी ही सरकार की नीतियों का विरोध करते हैं बीजेपी सांसद

वरुण गांधी ने कहा कि किसी भी तरह की तोड़फोड़ या प्रदर्शन के लिए हमारे लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं सेना ने यह साफ कहा है कि जिन जिन युवाओं के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी उन्हें आर्मी में नौकरी नहीं मिलेगी। हालांकि जब प्रशासन खुद युवाओं के आंदोलन को खत्म करने पर आमादा है, तो यह कौन सुनिश्चित करेगा कि एफआईआर का गलत इस्तेमाल निर्दोषों को फंसा कर आंदोलन को दबाने के लिए नहीं किया जाएगा। न्यायालय और सरकारों से उम्मीद है कि वह इस दिशा में भी गौर करेंगे। बता दें कि वरुण गांधी अक्सर अपनी ही सरकार की नीतियों का विरोध कर सुर्खियों में बने रहते हैं। कृषि कानून को लेकर किसान आंदोलन के दौरान वह किसानों के साथ खड़े नजर आए थे।

डॉ. समीर त्रिपाठी को तीसरी बार मिलेगा एमएसएमई सेक्टर का प्रथम श्रेणी अवॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेधज टेक्नो कॉन्सेप्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी डॉ. समीर त्रिपाठी को दिल्ली में तीसरी बार एमएसएमई सेक्टर का प्रथम श्रेणी का अवॉर्ड दिया जाएगा।

डॉ. समीर त्रिपाठी ने बताया कि इससे पूर्व 2014 में सेकंड पोजीशन सर्विस सेक्टर व वर्ष 2015 में फर्स्ट पोजीशन के द्वारा अवॉर्ड दिया जा चुका है। इस बार भी एमएसएमई 2022 इंडस्ट्री में सर्विस सेक्टर में मेधज टेक्नो कॉन्सेप्ट प्राइवेट लिमिटेड को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया है कि सर्विस सेक्टर में यूपी व लखनऊ की यह पहली कंपनी है, जिसे यह पुरस्कार दिया जा रहा है। यह अवॉर्ड जून के अंत में एमएसएमई मंत्रालय द्वारा दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दिया जाएगा। समीर त्रिपाठी ने कंपनी के लोगों को बधाई दी और कहा कि यह हम सब लोगों की मेहनत का फल है कि हमें फिर एक बार अवॉर्ड के लिए चुना गया। बता दें कि उत्कृष्ट कार्य करने के लिए भारत सरकार द्वारा यह अवॉर्ड हर साल एमएमएमई सेक्टर के लोगों को दिया जाता है।

कांग्रेसियों को डराया-धमकाया नहीं जा सकता : राहुल गांधी

» प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों का असर मुझ पर नहीं होता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड़ से सांसद राहुल गांधी ने आल इंडिया कांग्रेस कमिटी हेडक्वार्टर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों का असर मुझ पर नहीं होता है। मुझसे पूछताछ करने वाले अधिकारियों के समझ में आ गया कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को डराया धमकाया नहीं जा सकता है।

कांग्रेस नेता ने कहा वे देश की सेना को कमजोर कर रहे हैं और वे कहते हैं कि वे राष्ट्रवादी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अग्निपथ स्कीम वापस लेना होगा। भारत में युवा इस बात से अवगत हैं कि देश को मजबूत बनाने के लिए सच्ची देशभक्ति जरूरी है। हम इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि इस स्कीम को वापस लिया जाए। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी से नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के पांचवें दिन रात 10 बजे तक पूछताछ जारी रही।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।